सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 291 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 29 नवम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

लोग अपने कर्तव्यों को भूल जाते हैं पर अधिकारों को याद रखते हैं।
-इंदिरा गांधी

सिद्धार्थ कौल ने लिया क्रिकेट से... 7 | सक्रिय हुईं प्रियंका, फिर बजेगा... 3 | सपा के बढ़ते जनाधार को देखकर... 2

सरकार ही नहीं चाहती चले सदन!

लगातार संसद स्थगित होने पर उठे सवाल

» कांग्रेस ने भाजपा पर किया तीखा प्रहार
» जयराम ने कहा- विपक्षी नेताओं को जानबूझकर आक्रामक कर रही सरकार
» ओम बिरला बोले- देश की जनता चाहती है संसद में हो कामकाज

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 25 नवम्बर को शुरू हुआ संसद के शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ गया। एनडीए सरकार की पिछली सरकारों के कार्यकाल के समय लोकसभा व राज्यसभा की कार्यवाहियां शोर-शराबे के बीच गुम हो गई थीं इसबार तो सदन शुरू होने के चंद मिनटों के बाद ही स्थगित हो जा रहीं हैं। इस तरह लगातार चौथी बार संसद के स्थगित होने पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा है। कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि आखिर ऐसा क्या है जो सरकार स्थगन का विरोध नहीं कर रही है। उधर सत्ता पक्ष सदन न चलने का ठीकरा विपक्ष पर फोड़ रही है। वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया के कई नेता तो अब यह कह रहें हैं कि सरकार ही कई मुद्दे को लेकर राजनीतिक दलों की आक्रामकता बढ़ा रही है। दरअसल सोमवार से शुरू हुआ संसद का शीतकालीन सत्र लगातार चल नहीं पा रहा है। राज्यसभा और लोकसभा में अडानी पर लगे आरोपों और संभल हिंसा को लेकर लगातार विपक्ष का हंगामा जारी है। इसके चलते शुक्रवार को भी लगातार चौथी बार संसद की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

लोस अध्यक्ष ने की संसद चलने देने की अपील

लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को भी हंगामेदार रही। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला लगातार सदस्यों से सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने का आग्रह करते रहे। वहीं, विपक्षी दलों के सदस्यों ने उनकी एक ना सुनी और हंगामा जारी रखा। लोकसभा स्पीकर ने कहा कि चर्चा, संवाद होना चाहिए। सहमति और असहमति हमारे लोकतंत्र की ताकत है। उन्होंने लोकसभा सदस्यों से आग्रह किया कि जनता की भावनाओं, उनकी आशाओं और आकांक्षाओं के अनुसार आप सदन चलने में सहयोग करें। आज महिलाओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषय पर प्रश्नकाल में चर्चा हो रही है। प्रश्नकाल आपका समय है। देश की जनता लगातार माननीय सांसदों के बारे में जनता अपनी राय व्यक्त कर रही है। इसलिए मैं आपसे आग्रह करता हूं कि सदन को चलने दें। उन्होंने सदस्यों से कहा कि सदन आपका है, सदन सबका है। देश भी चाहता है कि संसद चले।

सरकार स्थगन का विरोध क्यों नहीं कर रही : जयराम

कांग्रेस महासचिव ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि अडानी मुद्दे को लेकर संसद में एक और दिन कार्यवाही नहीं हो सकी। आज भी दोनों सदनों की कार्यवाही कुछ ही मिनटों में स्थगित कर दी गई। सबसे बड़ा रहस्य यह है कि सरकार स्थगन का विरोध क्यों नहीं कर रही है? सरकार इस मामले में भारतीय दलों की आक्रामकता को बढ़ावा दे रही है। जाहिर है कि सरकार के पास बचाव और क्षमा मांगने के लिए बहुत कुछ है।

नियम नंबर 267 के तहत 17 स्थगन प्रस्ताव सभापति को दिए गए

इससे पहले विपक्षी सांसदों ने अडानी समूह पर लगे आरोपों, मणिपुर और संभल हिंसा को लेकर दोनों सदनों में स्थगन प्रस्ताव पेश किया। इसके बाद दोनों सदनों की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। अब सदन सोमवार को शुरू होगा। इससे पहले राज्यसभा में नियम नंबर 267 के तहत 17 स्थगन प्रस्ताव सभापति जगदीप धनखड़ को मिले। इस पर धनखड़ ने कहा कि वह सभी प्रस्तावों को खारिज कर रहे है। इसे लेकर विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। सभापति ने इस पर कड़ी नाराजगी जाहिर की और कहा कि नियम नंबर 267 तबाही का हथियार बन गया है। इससे देश की जनता और देश का भारी नुकसान हो रहा है।

संभल मामले को लेकर सख्त हुआ सुप्रीम कोर्ट

» शीर्ष अदालत का योगी सरकार को आदेश- शांति और सौहार्द बनाए रखें
» मामले की अगली सुनवाई 6 जनवरी 2025 के बाद होगी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संभल जिले स्थित जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिर विवाद मामले में मस्जिद पक्ष की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। निचली अदालत के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने सख्त टिप्पणियां की हैं।

उच्चतम न्यायलय ने योगी सरकार व जिला प्रशासन को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि वह यह सुनिश्चित करें कि संभल में शांति व्यवस्था बनी रहे, साथ ही निचली अदालत से भी कहा कि संबंधित मामले में फिलहाई कोई एक्शन न ले। मामले की अगली सुनवाई 6 जनवरी के बाद होगी। शुक्रवार को संभल मामले में सुनवाई शुरू हुई तो मस्जिद कमेटी ने दलील देते हुए कहा कि सर्वे का आदेश उसी दिन आ गया जिस दिन आवेदन दायर किया गया था और यह दोनों की तारीख 19 नवंबर थी। यही नहीं सर्वे भी उसी दिन शाम 6 बजे से लेकर रात 8.30 बजे तक हुआ। मस्जिद पक्ष ने कोर्ट के सामने कहा कि 23 नवंबर को जब हम कानूनी सलाह लेने की तैयारी कर रहे थे तभी उसी दिन आधीरात में पता चला कि सर्वे अगले दिन ही होगा। 24को सुबह 6.15 बजे सर्वे की टीम मस्जिद पहुंच गई और सुबह की नमाज के लिए जो नमाजी इकट्ठा थे उन्हें वहां से जाने के लिए कहा गया।

निचली अदालत को भी रोका, रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में रखने के आदेश

मस्जिद पक्ष की दलील के बाद उच्चतम न्यायलय ने निचली अदालत को निर्देशित किया वह इस मुकदमे में तब तक आगे न बढ़े, जब तक कि सर्वे के आदेश को चुनौती देने वाली मस्जिद समिति की याचिका हाईकोर्ट में सूचीबद्ध न हो जाए। इसके अलावा कोर्ट ने कमिश्नर की रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में रखने और इस दौरान उसे न खोलने का भी निर्देश दिया। साथ ही उत्तर प्रदेश प्रशासन को भी सख्त निर्देश दिए कि संभल में शांति और सद्भाव बने रहना चाहिए।

चंदौसी कोर्ट में अगली सुनवाई की तारीख 8 जनवरी

संभल की शाही जामा मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट शुक्रवार को चंदौसी कोर्ट में पेश नहीं की जा सकी। अब मामले की अगली सुनवाई आठ जनवरी को होगी। बताया जा रहा है कि हिंसा की वजह से अभी तक रिपोर्ट तैयार नहीं हो सकी है। शाही जामा मस्जिद कमेटी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील शकील अहमद वसीम ने कहा, हम मस्जिद की ओर से अदालत में पेश हुए और अनुरोध किया कि मामले से संबंधित दस्तावेजों की प्रतियां हमें दी जाएं और अदालत ने वही आदेश दिया। सर्वे रिपोर्ट आज जमा नहीं की गई। सर्वे टीम ने रिपोर्ट देने के लिए समय बढ़ाने की मांग की है। अब कोई अन्य सर्वे (मस्जिद का) नहीं होगा।

सपा के बढ़ते जनाधार को देखकर भाजपा बौखलाई

सपा प्रमुख अखिलेश यादव बोले- भाजपा लोकतंत्र को खत्म करने पर है आमादा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मोदी व योगी सरकार पर एकबार फिर जोरदार हूला बोला है। यूपी के पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। सपा के बढ़ते जनाधार को देखकर भाजपा बौखला गई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने को कहा।

सपा मुखिया अखिलेश यादव एक दिन पहले अंबेडकरनगर में एक शादी समारोह में शामिल होकर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से लखनऊ लौट रहे थे। इसकी भनक लगते ही सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव समर्थकों के साथ हलियापुर स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के 81 पॉइंट पर पहुंच गए। अखिलेश ने एक्सप्रेसवे पर कार्यकर्ताओं को खड़ा देख अपना काफिला रोकवा दिया। कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत करने के बाद जिले में खाद और बीज की समस्या से उन्हें अवगत कराया। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए भाजपा सरकार को निशाने पर रखा। कहा कि भाजपा लोकतंत्र को खत्म करने पर आमादा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। इस मौके पर सुधांशु शर्मा, सतीश यादव, नागेश, बब्बन, देव बक्स, पुष्पेंद्र, जयप्रकाश निषाद, राम प्रसाद तिवारी, सुभाष, घनश्याम, हरीश कुमार, शेर बहादुर कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केंद्र और राज्य सरकार आरक्षण में कर रही हकमारी : रेयाजुल हक राजू

» राजद बोली- दलित, पिछड़े अल्पसंख्यकों का रिजर्वेशन खत्म करने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोपालगंज। केंद्र और राज्य सरकार आरक्षण को समाप्त कर दलित पिछड़े व अल्पसंख्यक के साथ हकमारी की साजिश रच रही है, जिसे राजद किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देगा। उक्त बातें अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष रेयाजुल हक राजू ने शहर के अंबेडकर चौक पर राजद द्वारा आयोजित एक दिवसीय धरना को संबोधित करते हुए कही।

राजू ने बिहार की नीतीश सरकार को आरएसएस की कठपुतली करार देते हुए कहा, महागठबंधन सरकार द्वारा जातीय सर्वेक्षण के बाद आरक्षण की सीमा बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया गया था। लेकिन बिहार की नीतीश सरकार द्वारा भाजपा के इशारे पर कोर्ट में सही तरीके से अपना पक्ष नहीं रखने के कारण कोर्ट द्वारा

उस पर रोक लगा दी गई है, जिसके खिलाफ राजद ने ऊपरी अदालत में अपील भी दायर कर रखी है। उन्होंने कहा कि जब तक प्रदेश में 65 प्रतिशत आरक्षण की सीमा लागू नहीं हो जाती, राजद का सड़क से सदन तक आंदोलन जारी रहेगा। राजद नेता और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मोहन प्रसाद गुप्ता ने नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा कि वे पर्दे के पीछे से केंद्र सरकार के दलित व अति पिछड़ा विरोधी एजेंडे को लागू करना चाह रहे हैं, जो कभी पूरा नहीं होगा। राजद के प्रधान महासचिव इम्तेयाज अली भुट्टो और पार्टी उपाध्यक्ष सुनील कुमार बारी ने कहा कि महागठबंधन सरकार में उप मुख्यमंत्री रहते हुए तेजस्वी यादव ने 500 करोड़ रुपये खर्च कर जातीय सर्वेक्षण करवाकर आबादी के अनुपात में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया था। परंतु मामला जब अदालत में चल रहा था तो राज्य सरकार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया, जिस कारण उच्च न्यायालय ने इस पर रोक लगा दी। नीतीश कुमार यदि केंद्र सरकार पर दबाव बना कर इसे 9वीं अनुसूचि में शामिल कर दिया होता तो ऐसी नौबत ही नहीं आती। इन नेताओं ने कहा कि भाजपा शुरू से ही जातीय जनगणना के खिलाफ रही है। तेजस्वी यादव के प्रयास से बिहार में जातीय जनगणना को अंजाम तक पहुंचाया गया। अब इस जनगणना को पूरे देश में कराए बिना पिछड़े समाज को उसका हक और अधिकार नहीं मिल सकता। धरना की अध्यक्षता राजद के प्रधान महासचिव इम्तेयाज अली भुट्टो ने किया। जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष सुनील कुमार बारी ने किया।

रांची में दिखी इंडिया गठबंधन की ताकत

मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन, खरगे, राहुल व ममता ने दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। रांची के मोरहाबादी मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने रांची में झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस दौरान इंडिया गठंबधन कई दलों के दिग्गज नेता जुटे। इस आयोजन में विपक्ष की ताकत एकबार फिर दिखाई दिया।

हेमंत सोरेन चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं। हेमंत सोरेने के शपथ ग्रहण समारोह में उनके पिता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन और उनकी मां रूपी सोरेन भी मंच पर मौजूद रहीं। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी मंच पर मौजूद थे। विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन ने भाजपा के गमलियाल हेम्ब्रोम को 39 हजार 791 मतों के अंतर से हराकर बरहेट सीट बरकरार रखी थी। जबकि झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा में 56 सीटें हासिल कर शानदार जीत हासिल की, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को 24 सीटें मिलीं। बता दें कि झारखंड मुक्ति मोर्चा ने गठबंधन में सिर्फ 43 सीटों पर चुनाव लड़ा और 34 सीटें हासिल की थी।

अब झारखंड देश का नंबर 1 राज्य जरूर बनेगा : महुआ

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के शपथ ग्रहण समारोह के बाद JMM सांसद महुआ माजी ने कहा, झारखंड के लिए इससे खुशी की बात क्या हो सकती है कि हेमंत सोरेन चौथी बार सीएम बने हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में अंतिम व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाने का हरसंभव प्रयास किया है। इससे मुझे पूरा विश्वास है कि अब झारखंड देश का नंबर 1 राज्य जरूर बनेगा।

दिग्गज भी रहे शपथ ग्रहण में शामिल

शपथ ग्रहण समारोह में अन्य प्रमुख दलों के नेता भी शामिल हुए, इनमें भाकपा (माले) लिबरेशन महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, आम आदमी पार्टी (आप) नेता अरविंद केजरीवाल, शिवसेना (उबाठा) नेता उद्धव ठाकरे, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) नेता महबूबा मुफ्ती, तमिलनाडु से उदयनिधि स्टालिन, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और बिहार के विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के नाम शामिल हैं।

धर्म के मामलों में फंसना ठीक नहीं : गुलाम नबी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि धर्म से जुड़े मामलों में फंसना देश की एकता और अखंडता के लिए हानिकारक है।

जम्मू में आजाद ने धार्मिक ध्रुवीकरण के खतरों के बारे में लोगों को आगाह किया। आजाद ने संभल हिंसा पर किए गए सवाल के जवाब में कहा, 'धर्म के मामले में उलझना ठीक नहीं है। यह देश की एकता और अखंडता के साथ-साथ समाज के लिए भी सही नहीं है। उन्होंने इस तरह की घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए आगाह किया कि इससे समुदायों में विभाजन बढ़ेगा तथा शांति भंग होगी। संभल जिले के कोट गर्वी क्षेत्र में शाही जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर पिछले रविवार को हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई तथा पुलिसकर्मियों सहित कई अन्य घायल हो गए। अदालत के आदेश के बाद ही मस्जिद का सर्वे किया जा रहा था।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देना यहां के लोगों के कल्याण के लिए जरूरी

जम्मू-कश्मीर को पुन: राज्य का दर्जा देने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में आजाद ने कहा, "राज्य का दर्जा देने की मांग शुरू से ही रही है। यह कोई नयी बात नहीं है।" उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देना यहां के लोगों के कल्याण के लिए जरूरी है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री इस्तीफा दें : मिजो नेशनल फ्रंट

» सीएम बीरेन सिंह ने कहा- राज्य के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करे एमएनएफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मिजोरम की मुख्य विपक्षी पार्टी 'मिजो नेशनल फ्रंट' (एमएनएफ) ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से राज्य में जारी जातीय हिंसा को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए उनसे इस्तीफा देने की मांग की।

मणिपुर सरकार ने इसके जवाब में कड़ा प्रतिवाद करते हुए एमएनएफ से कहा कि वह राज्य के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करे तथा इसके बजाय मिजोरम में मादक पदार्थों के व्यापार से मिजो समाज के लिए उत्पन्न खतरे पर ध्यान केंद्रित करे। एमएनएफ महासचिव वी एल क्रोसेनहजोवा ने आइजोल में कहा कि केंद्र को कुकी-जो और मेइती समुदाय के लोगों के बीच हिंसा को समाप्त करने के लिए कार्रवाई करनी चाहिए। मणिपुर में पिछले साल मई से जारी हिंसा में 250 से अधिक लोगों की जानें गई हैं। क्रोसेनहजोवा ने कहा, हम मांग करते हैं कि मुख्यमंत्री बीरेन सिंह तुरंत पद छोड़ दें।

सक्रिय हुई प्रियंका, फिर बजेगा कांग्रेस का डंका!

वर्तमान में गांधी परिवार के तीन सांसद संसद में दहाड़ेंगे

कांग्रेसी बोले- दादी की तरह बनेगी देश में छवि

» 71 साल बाद फिर से नेहरू-गांधी परिवार के भाई-बहन साथ नजर आएंगे

» जवाहर लाल नेहरू व विजयलक्ष्मी पंडित भी रहे थे सदस्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मां, भाई व पार्टी के लिए अपनी रणनीतिक कार्यकलापों से राजनीति में सक्रिय रहीं प्रियंका गाधी अब विधिवत रूप से सियासी पारी खेलने को उतर चुकी हैं। उन्होंने सांसद के रूप में शपथ ले लिया है। वह गांधी परिवार की 16वीं सदस्य हैं जो संसद पहुंची हैं। गौरतलब हो कि प्रियंका गांधी केरल की वायनाड लोक सभा सीट से जीतीं हैं। सियासी गलियारों में अब ये चर्चा होने लगी है कि पूरे देश में जब प्रियंका एक सांसद के रूप में दौरा करेंगी तो केवल उनका ही नहीं पार्टी का डंका भी बजेगा। पुराने कांग्रेसी व कुछ लोग तो ये भी कहते हैं कि वह अपनी दादी इंदिरा गांधी की तरह राजनीति में चमकेंगी और शेरनी की तरह सत्ता पक्ष की नींद उड़ाएगी। उनके आने से राहुल गांधी को भी मजबूती मिलेगी।

इससे पहले जब संसद पहुंची तो कांग्रेस सांसदों में भारी उत्साह देखने को मिला। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें शपथ दिलाई। इसके साथ ही देश की संसद में गांधी परिवार के एक और सदस्य का प्रवेश हो गया है। प्रियंका गांधी नेहरू परिवार की 16वीं सदस्य हैं जो लोकसभा के लिए निर्वाचित हुई हैं। देश के संसदीय इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ जब लोकसभा में गांधी परिवार का कम से कम एक सदस्य न पहुंचा हो। ऐसे भी मौके आए हैं जब गांधी-नेहरू परिवार से जुड़े 5-5 सदस्य लोकसभा में एक साथ पहुंचे। गौरतलब हो कि मौजूदा लोकसभा में राहुल गांधी के बाद उनकी बहन प्रियंका भी संसद पहुंच गईं। राहुल और प्रियंका की मां सोनिया गांधी लंबे समय तक लोकसभा सांसद रही हैं। फिलहाल वो राजस्थान से राज्यसभा की सांसद हैं। ऐसा पहली बार होगा जब गांधी परिवार मां और उनके दो बच्चे एक साथ सांसद होंगे। प्रियंका और राहुल के एक साथ सदन में बैठते ही एक और इतिहास दोहराया गया। 71 साल पहले 1953 तक जवहार लाल नेहरू और विजयलक्ष्मी पंडित की भाई बहन की जोड़ी सदन में नजर आती थी। अब 71 साल बाद फिर से नेहरू-गांधी परिवार के भाई बहन साथ नजर आए।

1964 में लोकसभा में नेहरू परिवार से सिर्फ एक सदस्य

1962 में 494 सीटों के लिए हुए तीसरी लोकसभा चुनाव में जवाहर लाल नेहरू अपने परिवार से संसद पहुंचने वाले अकेले शख्स थे। हालांकि, 27 मई 1964 को प्रधानमंत्री नेहरू का निधन हो गया। उनके निधन के चलते फूलपुर लोकसभा सीट खाली हो गई। इस सीट पर उपचुनाव हुए तो उनकी बहन विजयलक्ष्मी पंडित यहां से जीतकर लोकसभा पहुंची और लोकसभा में नेहरू-गांधी परिवार का प्रतिनिधित्व जारी रहा।

पहली लोकसभा में कई चेहरों का रिश्ता नेहरू-गांधी परिवार से था

सबसे पहले बात पहली लोकसभा की कर लेते हैं। साल 1951-52 में देश के पहले लोकसभा चुनाव हुए। इस चुनाव में 400 लोकसभा सीटों से कुल 489 सांसद चुनकर संसद पहुंचे। जैसा की आप जानते हैं कि उस दौर में कई लोकसभा सीटें ऐसी थीं जहां से दो-दो सांसद चुने जाते थे। 1951 के इस लोकसभा चुनाव में एक सीट ऐसी भी थी जहां से तीन सासंद चुनकर लोकसभा पहुंचे थे। इन 489 सांसदों में से पांच सांसद ऐसे थे जिनका रिश्ता नेहरू-गांधी परिवार से थे। खुद जवाहर लाल नेहरू जो इलाहाबाद जिला (पूर्व) सह जौनपुर जिला (पश्चिम) लोकसभा सीट से जीतकर देश के प्रधानमंत्री बने। नेहरू के साथ इस सीट से सांसद बनने वाले दूसरे चेहरे कांग्रेस के ही मसुरियादीन थे। जवाहर लाल नेहरू के दामाद और इंदिरा गांधी के पति फिरोज गांधी प्रतापगढ़ जिला (पश्चिम) सह रायबरेली जिला (पूर्व) लोकसभा सीट से जीते। इसी सीट से कांग्रेस के बृजनाथ कुरील भी जीते थे क्योंकि यह सीट ऐसी थी जहां से दो सांसद चुने गए थे। सीतापुर जिला सह खीरी जिला (पश्चिम) से जीतीं उमा नेहरू भी इसी परिवार से जुड़ी थीं। दरअसल, उमा के पति श्यामलाल नेहरू पंडित जवाहर लाल नेहरू के चचेरे भाई थे। श्यामलाल नेहरू के पिता नंदलाल नेहरू जवाहर लाल नेहरू के पिता मोतीलाल नेहरू के बड़े भाई थे।

दूसरी लोकसभा में घट गई नेहरू गांधी परिवार के सदस्यों की संख्या

1957 में जब देश के दूसरे लोकसभा चुनाव हुए तो 403 लोकसभा सीटों से कुल 494 सांसद चुनकर आए। इस चुनाव में नए सिरे से परिसीमन हुआ। सीटों के नाम बदले गए। जहां तक नेहरू गांधी परिवार की बात है तो इस चुनाव में इस परिवार से संबध रखने वाले तीन चेहरे जीतकर लोकसभा पहुंचे। खुद जवाहर लाल नेहरू फूलपुर लोकसभा सीट से जीते, उमा नेहरू सीतपुर लोकसभा सीट से जीतीं तो फिरोजगांधी रायबरेली सीट से जीतकर लोकसभा पहुंचे। हालांकि फिरोज गांधी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। 8 सितंबर 1960 को महज 47 साल की उम्र में उनका निधन हो गया।

विजयलक्ष्मी को लखनऊ जिला मध्य सीट से जीतीं थीं

पहले लोकसभा चुनाव में नेहरू परिवार से जीतने वाले चौथे चेहरे का नाम था विजयलक्ष्मी पंडित, विजयलक्ष्मी पंडित नेहरू की सगी बहन थीं। विजयलक्ष्मी को लखनऊ जिला मध्य सीट से कांग्रेस के टिकट पर जीत मिली थी। 1953 में विजयलक्ष्मी पंडित संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष चुनी गईं। विजयलक्ष्मी इस पद के लिए चुनी गई पहली महिला थीं। इसके बाद उन्होंने अपनी लोकसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे के बाद लखनऊ जिला मध्य सीट पर उप चुनाव हुए। इस उपचुनाव में नेहरू परिवार से संबंध रखने वाली श्योराजवती नेहरू जीतीं थीं। श्योराजवती की शादी डॉक्टर किशन लाल नेहरू से हुई थी। किशनलाल नेहरू के पिता का नाम नंदलाल नेहरू था। यानी, श्योराजवती प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के चचेरे भाई की पत्नी थीं। इस तरह पहले लोकसभा में नेहरू-गांधी परिवार से कुल पांच लोग लोकसभा पहुंचे। हालांकि, एक वक्त में इनकी कुल संख्या चार ही रही।

संसद में आकर मैं बहुत खुश हूं : प्रियंका

संसद पहुंचने के बाद जब प्रियंका गांधी से पूछा गया कि पहली बार बतौर सांसद संसद भवन पहुंचकर उन्हें कैसा लग रहा है तो इस पर प्रियंका गांधी ने मुस्कुराते हुए कहा कि मैं बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा कि मै जनता के मुद्दों का जोर शोर उठाऊंगी और सरकार से सवाल पूछुंगी। प्रियंका गांधी के साथ सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी संसद भवन पहुंचे। प्रियंका गांधी के संसद पहुंचने को लेकर काफी उत्साह है। यही वजह है कि संसद में प्रियंका गांधी के पहले दिन कांग्रेस सांसदों में उनके साथ तस्वीर खिंचवाने का उत्साह बना रहा। खुद राहुल गांधी भी प्रियंका गांधी की संसद भवन में तस्वीरें खींचते दिखाई दिए। वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपनी बहन प्रियंका गांधी को सार्वजनिक रूप से अपना प्यार दिखाने से कभी नहीं कतराते, ऐसा ही नजारा आज गुरुवार (28 नवंबर) को संसद में देखने को मिला जब प्रियंका सांसद बनने के सफर की शुरुआत कर रही थीराहुल ने इस पल को कैमरे में कैद कर लियो राहुल गांधी ने उन्हें रोका और संसद में प्रवेश करने और वायनाड सांसद के रूप में शपथ लेने से ठीक पहले अपनी बहन की एक तस्वीर क्लिक की। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें राहुल गांधी प्रियंका गांधी की तस्वीरें खींच रहे हैं और उनसे मुस्कुराने के लिए कह रहे हैं, वीडियो में राहुल को यह कहते हुए सुना जा सकता है, मुझे भी एक तस्वीर लेने दो, जबकि अन्य लोग हंसते हैं और हल्के-फुल्के पल साझा करते हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

ढाक के फिर वही तीन पात!

विकसित देशों ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विकासशील देशों को पर्याप्त वित्तीय सहायता देने से इनकार कर दिया। गरीब देश अमीर देशों से लंबे समय से जलवायु वित्त के रूप में 500 अरब डॉलर की सहायता की मांग कर रहे हैं, ताकि जलवायु परिवर्तन की रोकथाम के लिए किए जाने वाले उपायों से आर्थिक क्षति की भरपाई कर सकें, लेकिन इस बार भी उनकी यह मांग पूरी नहीं हो सकी।

ढाक के फिर वही तीन पात। कुछ यही हाल जलवायु परिवर्तन समस्या पर हुई विश्वस्तरीय बैठक का हुआ। इतनी लंबी बातचीत के बाद भी ये बैठक किसी ठोस नतीजे पर पहुंचे बिना ही समाप्त हो गई। भारत जैसे कई देशों ने यहां की कार्यवाही पर नाराजगी जताई। अजरबैजान के बाकू में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन-कॉप -29 जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए आयोजित हुई। विकसित देशों ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विकासशील देशों को पर्याप्त वित्तीय सहायता देने से इनकार कर दिया। गरीब देश अमीर देशों से लंबे समय से जलवायु वित्त के रूप में 500 अरब डॉलर की सहायता की मांग कर रहे हैं, ताकि जलवायु परिवर्तन की रोकथाम के लिए किए जाने वाले उपायों से आर्थिक क्षति की भरपाई कर सकें, लेकिन इस बार भी उनकी यह मांग पूरी नहीं हो सकी। अमीर देशों की ओर से कॉप-29 में गरीब देशों के लिए 300 अरब डॉलर के नए जलवायु फंडिंग पैकेज की पेशकश की गई, लेकिन भारत जैसे देशों ने उसे यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह बहुत कम है। अब चूंकि इसपर कोई सहमति न हो सकी तो यह मामला अधर मे लटक गया यानी जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर अब भी केवल चर्चा ही होगी काई ठोस कदत ही उठने वाला है।

जहां तक भारत की बात किया चाहिए कि वह इन अंतरराष्ट्रीय बैठकों में अपनी बात रखने के साथ-साथ घरेलू स्तर पर भी ठोस कदम उठाए। यदि हम अपने प्रदूषण स्तर और स्थानीय पर्यावरणीय समस्याओं को नियंत्रित करने में सफल होते हैं, तो यह न केवल हमारी आंतरिक स्थिति को बेहतर बनाएगा, बल्कि वैश्विक मंच पर भी हमें मजबूत करेगा। समय आ गया है कि स्थानीय स्तर पर मजबूत रणनीतियां बनाई जाएं। भारत को अपनी ऊर्जा खपत, कार्बन उत्सर्जन और प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन में सुधार करना चाहिए। यदि हम अपनी समस्याओं का समाधान कर पाते हैं, तो हम दुनिया को यह दिखा सकेंगे कि किस तरह सीमित संसाधनों के साथ भी जलवायु संकट का समाधान संभव है। जब विकासशील देश अपने स्तर पर पर्यावरण की रक्षा के लिए सक्रिय होंगे तो विकसित देशों पर कुछ करने का दबाव पड़ेगा और वे अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए आगे आने को बाध्य हो सकते हैं। चूंकि यह सबकी जिम्मेदारी है कि आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और स्वस्थ पर्यावरण मिले, इसलिए पर्यावरण रक्षा के उपाय करने में देर नहीं की जानी चाहिए। पर्यावरण लगातार बिगड़ता ही जा रहा है। यदि दुनिया की चिंता छोड़ सब देश अपनी-अपनी जान बचाने के रास्ते ढूंढ़ें तो कुछ नहीं से कुछ तो हासिल किया ही जा सकता है। अब समय आ गया है कि पूरी इस पर गंभीर हो तभी कुछ निष्कर्ष निकलेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भाजपा की कामयाबी से बढ़ी कांग्रेस की मुश्किलें

डॉ. यश गोयल

राजस्थान के सात विधानसभा उपचुनाव के परिणामों ने छोटे राजनीतिक दलों और विपक्षी कांग्रेस को करारी हार दी है। इस हार ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के भविष्य को अनिश्चितता की ओर मोड़ दिया। इस वर्ष के प्रारम्भ में भाजपा, दो विधानसभा उपचुनावों में हार चुकी थी। साफ है जून में कांग्रेस, जो गठबंधन को लोकसभा की 25 में से 11 सीटें दे चुकी थी, ने 7 में से 5 विधानसभा सीटों पर विजय प्राप्त कर संगठनात्मक मजबूती हासिल की। यह अप्रत्याशित जीत मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की सरकार को संकट से उबारने में सफल रही। इन सात विधानसभा सीटों में से भाजपा ने पांच सीटें—झुंझुनू, रामगढ़, देवली-उनियारा, खींवसर और सलूंबर—जीतीं, जबकि भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) ने चौरासी सीट और कांग्रेस ने दौसा सीट पर विजय प्राप्त की।

इस बार के चुनाव परिणामों का निष्कर्ष है कि मतदाताओं ने परिवारवाद और सहानुभूति की राजनीति को नकार दिया। कांग्रेस ने रामगढ़ सीट पर स्व. जुबेरखान के बेटे, आर्यन जुबैर को सहानुभूति आधारित जीत के लिए खड़ा किया था, जबकि इस सीट पर स्व. जुबैर चार बार और एक बार उनकी पत्नी साफिया कांग्रेस की विधायक रह चुकी थीं। बावजूद इसके, भाजपा के सुखवंत सिंह ने आर्यन को भारी शिकस्त दी। झुंझुनू विधानसभा सीट, जो ओला परिवार के नाम से प्रसिद्ध है, से जाट नेता स्व. शीशराम ओला ने 8 बार विधानसभा और 5 बार लोकसभा चुनाव जीते थे। इस बार उनके पुत्र बृजेंद्र ओला, जो जून में सांसद चुने गए थे, अपने पुत्र अमित ओला को विजय दिलाने में असफल रहे। भाजपा के राजेंद्र भांबू ने भारी मतों (42,848) से जीत हासिल की। सहानुभूति लहर का फायदा भाजपा ने सलूंबर सीट पर उठाया, जहां स्व. अमृतलाल मीणा की पत्नी, शांता देवी मीणा (जो तीन बार सरपंच रह चुकी हैं), अंतिम राउंड की गिनती में 1285 वोट से जीत गईं। बीएपी के प्रत्याशी जीतेश कटारा ने चुनाव आयोग से भाजपा सरकार द्वारा सत्ता के दुरुपयोग की शिकायत की थी।

बीएपी प्रमुख और डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोत ने भी चुनाव आयोग को शिकायत की कि उनकी पार्टी सलूंबर सीट पर एकतरफा जीत रही थी, लेकिन भाजपा सरकार ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करते हुए जल्दी-जल्दी मतगणना करा कर अपने प्रत्याशी को

जीत का सर्टिफिकेट दिलवा दिया। आरएलपी पार्टी को सबसे बड़ा नुकसान हुआ, क्योंकि पार्टी प्रमुख और नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल अपनी पत्नी कनिका बेनीवाल को खींवसर विधानसभा सीट पर नहीं जिता सके। उनकी पार्टी राजस्थान विधानसभा में भी शून्य पर रही। भाजपा उम्मीदवार रेवतराम डांगा ने यह सीट जीतकर पार्टी की विधानसभा में संख्या बढ़ाई। यदि कांग्रेस लोकसभा चुनाव की तरह आरएलपी के साथ गठबंधन करती, तो यह सीट गठबंधन के पक्ष में जा सकती थी। दौसा (मीणा-गुर्जर बाहुल्य) के चुनाव परिणाम ने भाजपा के दमदार नेता किरोड़ी लाल मीणा (जो मौजूदा विधायक हैं) को लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद शर्मनाक स्थिति में डाल दिया। परिवारवाद के चक्रव्यूह में फंसी भाजपा ने दौसा से किरोड़ी के भाई, जगमोहन मीणा को टिकट दिया था। किरोड़ी ने पब्लिक मीटिंग्स में मीणा समाज से वोट की अपील की थी कि यदि उनके भाई को विजयी बनाकर भेजा गया, तो वह अपना इस्तीफा वापस लेने पर विचार करेंगे। किरोड़ी की पत्नी गोलमा देवी इस सीट से विधायक रह चुकी थीं और गहलोत सरकार में मंत्री भी रही थीं। दौसा सीट पर कांग्रेस के दीनदयाल बैरवा ने भाजपा को हराकर न केवल कांग्रेस, बल्कि सचिन पायलट और पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा की प्रतिष्ठा भी बचा ली। परिवारवाद से हटकर, देवली-उनियारा और चौरासी सीटों पर जातीय टक्कर ने अहम भूमिका निभाई। चौरासी में आदिवासी नेता अनिल कटारा (बीएपी) और भाजपा के राजेंद्र गुर्जर ने देवली-उनियारा में कांग्रेस को बड़ा झटका दिया। देवली-उनियारा में कांग्रेस के सांसद हरीश मीणा की प्रतिष्ठा दांव पर लगी रही, और कांग्रेस बागी निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा ने मतदान के दिन बूथ के बाहर एसडीएम को थप्पड़ मारा, जिससे राजस्थान सरकार को संकट का सामना करना पड़ा। बाद में नरेश मीणा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

भाजपा सरकार के मंत्रियों की पहल से स्थिति शांत हुई। कांग्रेस इस सीट को जीत सकती थी, लेकिन पार्टी के भितरघात के कारण कस्तूरचंद मीणा को टिकट दिया गया, जो तीसरे स्थान पर रहे। दो सौ सीटों की विधानसभा में अभी भाजपा के 119 विधायक, कांग्रेस के 66, बीएपी 4, बसपा 2, निर्दलीय 8 और आरएलडी 1 हैं। भाजपा में अब अंदरूनी खटपट और बागियों की हरकतों पर विराम लगने की संभावना है।

रेवड़ियों की मिठास के पीछे छिपी कड़वाहट समझें

विश्वनाथ सचदेव

किसको किसने कितनी रेवड़ियां बांटी, यह सवाल भले ही किसी लंबी-चौड़ी गणना की अपेक्षा करता हो, पर यह बात सब मान रहे हैं कि हाल के चुनावों में खूब रेवड़ियां बंटी। नहीं, चुनावों में विभिन्न राजनीतिक दलों या प्रत्याशियों द्वारा मतदाता को चुपचाप बांटे जाने वाले रुपयों की बात नहीं है, बल्कि उन रेवड़ियों की बात हो रही है जिन्हें बांटने वाले लंबी-चौड़ी घोषणाओं के साथ बांटते हैं। चुनाव-परिणाम का विश्लेषण करने वाले जिस एक बात पर सहमत दिखाई देते हैं, वह यह है कि इन रेवड़ियों ने परिणामों पर निर्णायक प्रभाव डाला है। ऐसी ही एक रेवड़ी को महाराष्ट्र में 'लाड़की बहीण' के नाम से जोड़ा गया है और झारखंड में इसे 'मंइयां सम्मान योजना' नाम दिया गया है।

भाजपा का दावा है कि सबसे पहले मध्य प्रदेश में 'लाड़ले मामा' ने अपनी 'लाड़ली बहनों' को प्रतिमाह नकद राशि देने की घोषणा की थी, और इसे चुनाव-परिणामों पर निर्णायक प्रभाव डालने वाला कदम बताया गया था। अब महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली 'महायुती' ने ऐसा ही किया और यह दावा किया जा रहा है कि महाराष्ट्र की जीत में इसका सर्वाधिक महत्वपूर्ण हाथ रहा है। वैसे महाराष्ट्र की 'महाअगाड़ी' ने भी भाजपा के 1500 रुपये प्रति माह के योगदान को बढ़ाकर 3000 करने का वादा किया था, पर मतदाता ने बैंक खाते में जमा हो चुके रुपयों का भरोसा करना बेहतर समझा। कहा तो यह भी जा रहा है कि महाराष्ट्र के चुनावों को दो माह इसलिए टाला गया था कि महिलाओं के बैंक खातों में 'रेवड़ियां' पहुंच जाएं तो बेहतर परिणाम आएगा। बहरहाल, कारण और भी हो सकते हैं, पर इससे परिणाम पर 'रेवड़ियों' के असर का महत्व कम नहीं हो जाता। यह रेवड़ियां बांटना कोई नयी बात नहीं है। शायद इसकी शुरुआत बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्य की लड़कियों को साइकिलें बांटने से हुई थी। फिर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तो बिजली, पानी, आदि मुफ्त बांटकर जैसे एक नयी परंपरा ही शुरू कर दी थी रेवड़ियां बांटने की! बिहार, उड़ीसा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पंजाब जैसे राज्यों में तो यह काम प्रतिस्पर्धा की तरह हुआ।

ऐसा नहीं है कि इस 'मुफ्तखोरी' की आलोचना नहीं हुई। मतदाता को आर्थिक सहायता देने की इस प्रथा की आलोचना स्वयं प्रधानमंत्री मोदी कर चुके हैं। शायद इस तरह मतदाता को रिझाने की कोशिश को रेवड़ियां बांटने की संज्ञा भी उन्होंने ही दी थी। यह बात दूसरी है कि अब वे स्वयं मतदाता को इस तरह रिझाने के पक्षधर बन गये लगते हैं। यूं तो चुनाव घोषणापत्रों में जो वादे किये जाते हैं, उन्हें भी मतदाता को दी जाने वाली रिश्वत कहा जा सकता है, पर इस तरह नकद राशि बांटने को किसी और तरह से नहीं समझाया जा सकता। रेवड़ियां बांटने वाले इस रिश्वत को कल्याणकारी राज्य के अनुरूप आचरण बताते हैं। हम भले ही आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक व्यवस्था बनने का दावा करते हों, पर इस हकीकत से मुंह नहीं चुराया जा सकता कि आज हमारे देश की अस्सी प्रतिशत आबादी को सरकार की ओर से मुफ्त अनाज देकर उसका पेट भरा जा रहा है।

सरकार भले ही इसे कुछ भी कह ले, पर यह तथ्य यही बताता है कि गरीबी हटाओ के सारे दावों और वादों के बावजूद आज भी स्वतंत्र भारत का नागरिक अपने श्रम से अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने लायक नहीं बन पाया है। आजादी के शुरुआती सालों में तो यह बात फिर भी समझ आती थी कि नया देश नई चुनौतियों का मुकाबला कर रहा था, हालात सुधारने में वक्त लगना था। पर आजाद होने के सत्तर-अस्सी साल बाद भी यदि देश की जनता रेवड़ियों से रिझाई जा सकती है तो इसका सीधा-सा मतलब यही है कि हमारी नीतियों-रीतियों में कहीं कुछ गंभीर गड़बड़ है। हमारी त्रासदी यह भी है कि गड़बड़ी का पता लगाने और उसे ठीक करने की ईमानदार कोशिश करने के बजाय हम रेवड़ियां बांटकर काम चलाना चाहते हैं। ऐसा नहीं है कि आजादी के इन सत्तर-अस्सी सालों में हमने कुछ किया नहीं है। बहुत कुछ अर्जित किया है हमने। चांद-सितारों को छू रहे हैं हमारे हाथ। पर जितना कुछ किया है, उससे कई गुना अधिक किया जाना बाकी है। अपनी उपलब्धियों पर गर्व कर सकते हैं हम, पर हमें यह नहीं भूलना है कि जितना रास्ता हमने पार किया है, उससे कई गुना लंबा रास्ता अभी पार करना बाकी है।

विकसित भारत के सपने देख रहे हैं हम, पर हम यह याद रखना नहीं चाहते कि सबका साथ और सबका विकास की चुनौती तभी स्वीकार की जा सकती है जब हमारी कोशिशों में बुनियादी ईमानदारी हो। विकास की सही और सच्ची परिभाषा हमारे सामने हो। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कभी कहा था कि उनका दायित्व देश के हर नागरिक को एक समस्या मानकर उसका समाधान करना है। यह तब की बात है जब देश आजाद हुआ था। लगभग 40 करोड़ की आबादी थी तब देश की। आज हम 140 करोड़ हैं। आवश्यकता हर भारतीय के जीवन को विकसित जीवन शैली के अनुरूप बनाना है। और नागरिक की बुनियादी जरूरतें पूरी हों। हर नागरिक को विकास का समान अवसर मिले। वह जो सपने देखे उन्हें पूरा करने की उमंग भी हो उसमें। इसका सीधा-सा अर्थ यह है कि हमारे देश का हर नागरिक अपने भारतीय होने पर गर्व करे, उसका विवेक जाग्रत हो, वह गर्व से सिर ऊंचा करके चल सके। मुफ्त अनाज देकर या लाड़ली बहनों के खातों में हर महीने पंद्रह सौ, दो हजार जमा कर के उसे सर ऊंचा करके चलने के लायक नहीं बनाया जा सकता।

पपीते के पत्ते का रस बॉडी के लिए है वरदान

मुंहासे दूर करे

इसमें मौजूद विटामिन सी, विटामिन ई और बीटा कैरोटीन जैसे एंटी-ऑक्सीडेंट्स त्वचा को साफ़ और खिला-खिला बनाने के साथ ही झुर्रियों और मुंहासे से भी बचाते हैं। पपीते का मास्क लगाने से आपकी स्किन हाइड्रेट होती है और इसमें एक नई जान आती है। डल स्किन और एजिंग इफेक्ट को दूर करने में पपीता बहुत ही कारगर होता है। इसके लिए सूखी पपीते की पत्ती ले कर उसे थोड़े से पानी के साथ मिक्स कर के पेस्ट बना लें। फिर इस पेस्ट को चेहरे पर लगा कर सुखा लें और फिर पानी से धो लें।

पाचन तंत्र होता है मजबूत

पपीते के पत्ते के रस में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा पाई जाती हैं, जो वायरल और बैक्टीरियल से लड़ने में शरीर की मदद करता है। इसके अलावा इसके सेवन से पाचन तंत्र भी मजबूत होता है और पेट से जुड़ी कई समस्याओं से छुटकारा मिलता है। पपीते के पत्ते का जूस नियमित रूप से पीना चाहिए। यह स्वाद में काफी कड़वा होता है। इसके टेस्ट को बेहतर करने के लिए इसमें शहद व नींबू मिलाकर पिया जा सकता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए पपीते पत्तों को धोकर मिक्सी में पीस लें और फिर इसके जूस में शहद व नींबू मिलाकर रोजाना सुबह खाली पेट सेवन करें।

एंटी मलेरिया गुण

यह मलेरिया से लड़ने में प्रभावकारी है। पपीते की पत्तियों का रस मलेरिया के लक्षणों को बढ़ने से रोकता है। इसके अलावा इन पत्तियों में सर्दी और जुखाम जैसे रोगों से लड़ने की शक्ति होती है। वहीं, इसके फायदे पाने के लिए आपको इसे खाने की जरूरत भी नहीं है। बल्कि आप इसका पानी बनाकर दिनभर पी सकते हैं।

कैंसर होने से रोके

कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी को पपीते के पानी से खत्म किया जा सकता है। साथ में यह पानी कई घातक कैंसर से भी बचाता है, आइए इसे बनाने का तरीका जानते हैं। क्योंकि इसमें कैंसर विरोधी गुण होते हैं जो कि इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं और सवाईकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर, अग्नाशय, जिगर और फेफड़ों के कैंसर को होने से रोकते हैं। डायजेशन को सही करने के लिए आमतौर पर पपीते का सेवन किया जाता है। लेकिन इसे खाकर कई घातक कैंसर का खात्मा भी कर सकते हैं।

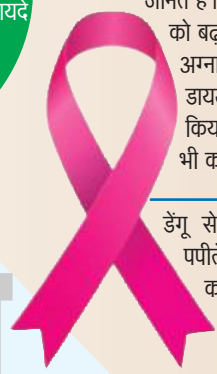

डेंगू में रामबाण

डेंगू से लड़ने के लिए पपीते की पत्तियां काफी लाभकारी है। यह गिरते हुए प्लेटलेट को बढ़ाने, खून के थक्के जमने तथा जिगर की क्षति को रोकती है, जो कि डेंगू वायरस के कारण हो जाता है। डॉक्टर डेंगू के मरीज को पपीते के पत्ते का जूस पीने की सलाह देते हैं। पपीते के पत्ते का जूस डेंगू की बीमारी से लड़ने में मदद करता है। डेंगू की बीमारी में आने वाले बुखार में ब्लड में प्लेटलेट्स कम हो जाती है। पपीते के पत्ते का जूस ब्लड में प्लेटलेट्स बढ़ाने में मदद करता है और इम्यूनिटी सिस्टम स्ट्रांग करने में भी मदद करता है।

बारिश के मौसम के बाद कई तरह की बीमारियां पैदा हो जाती हैं। इस मौसम में पानी के जमाव से डेंगू मलेरिया जैसे तमाम खतरनाक बीमारियां होने लगती है। यह बीमारी इतनी भयानक होती है कि इनका सही समय पर इलाज न किया जाएं तो यह व्यक्ति की जान तक ले लेती है। ऐसे में अपना खास ख्याल रखना बेहद जरूरी है। इन बीमारियों से बचने के लिए कुछ घरेलू उपायों का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इन घरेलू उपायों में पपीते के पत्ते का जूस सबसे ज्यादा फायदेमंद है। क्योंकि इसमें 5 विटामिन का भरपूर मिश्रण है। पपीते के पत्ते खाने में कड़वे लगते हैं लेकिन उनमें कमाल के गुण छुपे हुए होते हैं। पपीते के पत्तों में विटामिन ए, बी, सी, डी और ई पाया जाता है साथ ही इसमें कैल्शियम भी पाया जाता है।

हंसना मना है

सत्संग चल रहा था, पंडित जी बता रहे थे, जो नर है वो अगले जन्म में भी नर ही बनेगा और जो नारी है, वो अगले जन्म में भी नारी ही बनेगी! एक बुढ़िया उठकर जाने लगी तो पंडित जी ने पूछा क्या हुआ? बुढ़िया बोली जब अगले जन्म में भी रोटियां ही बनानी है तो सत्संग सुनने का क्या फायदा?

लड़की- तुम क्या कर रहे हो? लड़का-मच्छर मार रहा हुं, लड़की- कितने मारे? लड़का-5 मारे, 3 फिमेल और 2 मेल, लड़की- कैसे पता चला, मेल है या फिमेल, लड़का- 3 आईने के पास बैठे थे ओर 2 बियर के पास?

टीचर- तुम परिंदो के बारे में सब जानते हो? संजू- हां टीचर- अच्छा ये बताओ कौन सा परिंदा उड़ नहीं सकता? संजू - मरा हुआ परिंदा? भाग पागल कहीं का?

पिंटू साइकिल से बाजार जा रहा था। एक विदेशी आदमी आया और उसने पिंटू को रोका। पिंटू- ऐसे आचनक से सामने आ गया, मरेगा क्या? विदेशी- मुझे ताज महल जाना है। पिंटू- तो जा ना। सबको बताता रहेगा तो पहुंचेगा कब?

कहानी | दो अनमोल हीरे

एक व्यापारी को बाज़ार में घूमते हुए एक बहुत अच्छी नस्ल का ऊंट दिखाई पड़ा। व्यापारी और ऊंट बेचने वाले के बीच काफी लंबी सौदेबाजी हुई और आखिर में व्यापारी ऊंट खरीद कर घर ले आया। घर पहुंचने पर व्यापारी ने अपने नौकर को ऊंट का कजावा (काठी) निकालने के लिए बुलाया। कजावे के नीचे नौकर को एक छोटी सी मखमल की थैली मिली जिसे खोलने पर उसे कीमती हीरे जवाहरात भरे होने का पता चला। नौकर चिल्लाया, मालिक आपने ऊंट खरीदा, लेकिन देखो, इसके साथ क्या मुफ्त में आया है। व्यापारी भी हैरान था। उसने अपने नौकर के हाथों में हीरे देखे जो कि चमचमा रहे थे और सूरज की रोशनी में और भी टिम टिमा रहे थे। व्यापारी बोला- मैंने ऊंट ख़रीदा है, न कि हीरे, मुझे उसे तुरंत वापस करना चाहिए। नौकर मन में सोच रहा था कि मेरा मालिक कितना बेवकूफ है। बोला- मालिक किसी को पता नहीं चलेगा। पर, व्यापारी ने एक न सुनी और वह तुरंत बाज़ार पहुंचा और दुकानदार को मखमली थैली वापिस दे दी। ऊंट बेचने वाला बहुत खुश था, बोला, मैं भूल ही गया था कि अपने कीमती पत्थर मैंने कजावे के नीचे छुपा के रख दिए थे। अब आप इनाम के तौर पर कोई भी एक हीरा चुन लीजिए। व्यापारी बोला- मैंने ऊंट के लिए सही कीमत चुकाई है इसलिए मुझे किसी शुक्राने और उपहार की जरूरत नहीं है। जितना व्यापारी मना करता जा रहा था, ऊंट बेचने वाला उतना ही जोर दे रहा था। अंत में व्यापारी ने मुस्कुराते हुए कहा- जब मैंने थैली वापस लाने का सोचा तो मैंने पहले से ही दो सबसे कीमती हीरे इसमें से अपने पास रख लिए थे। इस कबूलनामें के बाद ऊंट बेचने वाला भड़क गया उसने अपने हीरे जवाहरात गिनने के लिए थैली को तुरंत खाली कर लिया। पर वह था बड़ी पशोपेश में बोला- मेरे सारे हीरे तो यहीं है, तो सबसे कीमती दो कौन से थे जो आपने रख लिए? व्यापारी बोला- मेरी ईमानदारी और मेरा आत्म सम्मान। जिस-जिस के पास यह 2 हीरे है वह दुनियां के सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

7 अंतर खोजें

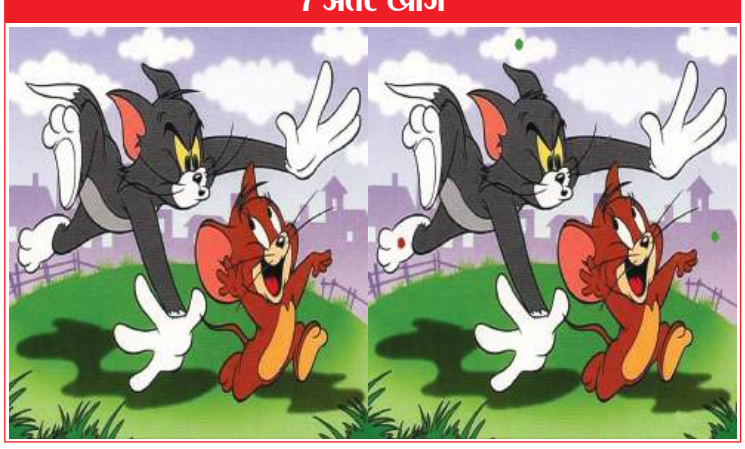

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। यात्रा होगी। व्यावसायिक अथवा निजी काम से सुखद यात्रा हो सकती है।

वृषभ अप्रत्याशित खर्च होंगे। तनाव रहेगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम न लें। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे।

मिथुन रुका हुआ धन मिल सकता है। निवेश शुभ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोमांस में सफलता मिलेगी, प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

कर्क वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रोजगार बढ़ेगा। सतर्कता से कार्य करें। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें।

सिंह तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। बाहरी सहायता से काम होंगे। ईश्वर में रुचि बढ़ेगी। कामकाज की अनुकूलता रहेगी।

कन्या चोट व रोग से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। दूसरों पर विश्वास हानि देगा। कार्य में बाधा होगी। पत्नी से आश्वासन मिलेगा। स्वयं के निर्णय लाभप्रद रहेंगे।

तुला आज घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। भाई को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। धनलाभ होगा। मानसिक उद्विग्नता रहेगी।

वृश्चिक संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

धनु पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है।

मकर धन को लेकर व्यावसायिक चिंता बनी रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। आज काम में मन नहीं लगेगा। विवाद से बचें।

कुम्भ घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। कार्य पूर्ण होंगे। आय बढ़ेगी। मनोरंजक यात्रा होगी। प्रसन्नता रहेगी। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें।

मीन पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न लें। लाभ होगा। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएं रखें। आर्थिक अनुकूलता रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

अब मैं रिश्तों में कोई समझौता नहीं चाहती : अनन्या पांडे

अनन्या पांडे ने हाल ही में अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कई बातें शेयर की हैं। उन्होंने बताया कि वो अब रिश्तों में कोई समझौता नहीं चाहती हैं। राज शमानी के पॉडकास्ट में 'ड्रीम गर्ल 2' एक्ट्रेस ने बताया कि अब किसी रिश्ते में समझौता नहीं करेंगी। इसके साथ ही उन्होंने रोमांस को लेकर भी रिएक्शन दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक्ट्रेस कथित तौर पर मार्च में एक्टर आदित्य रॉय से अलग हुई हैं। पॉडकास्ट में होस्ट ने एक्ट्रेस से पूछा कि क्या वो ऐसे रिश्ते में रही हैं, जहां उन्होंने खुद से समझौता किया हो? इस पर अनन्या ने कहा, हम सभी के साथ ऐसा होता है, मैंने अपने आसपास ऐसा देखा है और मैं भी उस परिस्थिति में रही हूं। मुझे यकीन है कि मैंने खुद को बहुत बदला है, लेकिन इस हद तक नहीं बदला कि ज्यादा बुरा हो। मुझे अहसास हुआ है कि हां, मैं जो हूं, मैं वो नहीं रही। ये मेरे लिए अच्छी स्थिति नहीं थी। होस्ट ने अनन्या से पूछा कि उन्होंने खुद में क्या बदलाव किया है और वो जब पीछे मुड़कर देखती हैं तो उन्हें खुद में कितना बदलाव दिखता है? इस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया कि उनकी मेरी पसंद और नापसंद में बदलाव हुआ है। उदाहरण के लिए, वो क्या खाती हैं, कहां जा सकती हैं, ये सब भी उनके पार्टनर की मर्जी से तय होता है। उन्होंने कहा, मैं खाना भी उसी की पसंद का खाऊंगी और मैं बाहर नहीं जाऊंगी क्योंकि मेरे साथी को घर पर रहना पसंद है।..लेकिन अब मैं ऐसा नहीं करूंगी। अब मैं चाहूंगी कि मेरा पार्टनर मुझे वैसा ही स्वीकार करे जैसी मैं हूं। मैं अपने पार्टनर को वैसा ही स्वीकार करूंगी जैसा कि वो है। रोमांस के बारे में उन्होंने कहा, रोमांस के बारे में मेरी सोच यह है कि वो (मेरा साथी) जो मेरी बात सुनता है, छोटी-छोटी बातों को याद रखता है। मैं हर समय समाधान नहीं चाहती। मैं चाहती हूं कि मेरा पार्टनर मेरी बात सुने।

मधुर भंडारकर फिर से बड़े पर्दे पर रिलीज करेंगे करीना की 'हीरोइन' !

करीना कपूर खान की फिल्म हीरोइन आज एक क्लासिक बन गई हैं। मधुर भंडारकर द्वारा निर्देशित, 2012 की ड्रामा फिल्म को आज भी बेबो के सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में से एक माना जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि मधुर को फिल्म हीरोइन बनाते वक्त कई आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था, क्योंकि उन्होंने इस फिल्म में वास्तविक अभिनेत्रियों के जीवन से समानताओं को दिखाने की कोशिश की थी। इस बारे में बात करते हुए, उन्होंने फिल्म के बड़े पर्दे पर फिर से रिलीज होने का भी संकेत दिया।

मधुर भंडारकर ने एक इंटरव्यू में फिल्म हीरोइन बनाने के बारे में याद करते हुए कहा कि उन्हें फिल्म बनाते वक्त कई परेशानियों का सामना करना पड़ा था। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक मधुर ने कहा कि कई लोगों को लगा कि उन्होंने एक अभिनेत्री के जीवन में होने वाली कई चीजों को उजागर किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मधुर ने खुलासा किया, मैंने वास्तविक जीवन की अभिनेत्रियों के जीवन से बहुत सी समानताएं और समानताएं खींची थीं और उन्हें फिल्म में दिखाया था, लेकिन इसके लिए मुझे बहुत आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। ऐसा कहने के बाद भी, वह अभी भी यह समझने में विफल रहे हैं कि ट्रैफिक सिग्नल और कॉरपोरेट जैसी फिल्मों की सराहना करने वाले उन्हीं लोगों को हीरोइन से परेशानी क्यों थी।

मधुर ने स्वीकार किया कि वे अपने दर्शकों के साथ अन्याय नहीं कर सकते, लेकिन निर्माता ने खुलासा किया कि बेबो अभी भी मानती हैं और कहती हैं कि हीरोइन एक अभिनेता के रूप में उनकी सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में से एक है।

पुष्पा-2 के किसिक गाने पर ठुमके लगायेंगी श्रीलीला

पुष्पा 2 द रूल के हाल ही में रिलीज हुए गाने 'किसिक' में श्रीलीला अपनी शानदार डांस परफॉर्मेंस से खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इस गाने की तुलना समांथा रुथ प्रभु के 'ऊ अंटावा' गाने की हो रही है। श्रीलीला ने इस तुलना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और बताया कि उन्होंने इस गाने में काम करने का फैसला क्यों लिया।

अपनी आगामी फिल्म रॉबिनहुड के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रीलीला ने किसिक गाने में काम करने की वजह पर बात करते हुए कहा कि 'किसिक' गाने का संदर्भ फिल्म की कहानी से जुड़ा हुआ है और यह एक सामान्य आइटम नंबर नहीं है, बल्कि इसका फिल्म के लिए एक मजबूत उद्देश्य है, जो दर्शकों को फिल्म के रिलीज होने पर स्पष्ट होगा।

यह गाना संगीतकार देवी श्री प्रसाद ने बनाया है, उन्हें पुष्पा द राइज के लिए नेशनल अवार्ड मिल चुका है। गाने ने रिलीज होते ही दर्शकों के बीच काफी हलचल मचा दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रीलीला को इस डांस नंबर के लिए दो करोड़ रुपये का पारिश्रमिक दिया गया, जबकि समांथा को 'ऊ अंटावा' के लिए पांच करोड़ रुपये मिले थे। हालांकि, श्रीलीला ने स्पष्ट किया कि उन्होंने अभी तक अपने पारिश्रमिक को लेकर निर्माता से कोई चर्चा नहीं की है। अपनी डांस परफॉर्मेंस के लिए उन्हें शोभिता धूलिपाला और समांथा रुथ प्रभु जैसे बड़े सितारों से सराहना मिली है।

सुकुमार के निर्देशन में बनी पुष्पा 2 द रूल 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ रश्मिका मंदाना, फहद फासिल, जगपति बाबू, धनंजय, राव रमेश, सुनील और अनुसूया भारद्वाज जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

अजब-गजब | इस कुएं की है अजीबो-गरीब बनावट

इसे कहा जाता है सात आंखों वाला कुआं

विरुधुनगर जिले का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो अर्ध-कृषि क्षेत्रों में स्थित है। इसे आकाश से दिखाई देने वाली सल्फर की भूमि के रूप में जाना जाता है। इस क्षेत्र की कृषि समृद्धि का मुख्य कारण जल प्रबंधन और पश्चिमी घाट की जलवायु है।

श्रीविल्लिपुथुर का पेरिया कुलम तालाब कृषि के लिए आवश्यक पानी की प्रचुर आपूर्ति करता है। यह विशाल तालाब शहर के क्षेत्रफल का एक तिहाई हिस्सा है और श्रीविल्लिपुथुर का सबसे बड़ा आकर्षण भी है। पेरिया कुलम की जल आपूर्ति के कारण आसपास के गाँवों में कृषि कार्य सुचारू रूप से चलता है।

पश्चिमी घाट में होने वाली वर्षा का पानी आसपास के गाँवों के तालाबों में जमा होता है। इन तालाबों से पानी की आवश्यकता पूरी करने के बाद, अतिरिक्त पानी पेरिया कुलम में एकत्र किया जाता है, जिसे कृषि कार्यों के लिए उपयोग किया जाता है। इस पानी को प्रभावी ढंग से वितरित करने के लिए पांडियन काल में एक जलसेतु बनाया गया था, जो आज भी कार्यरत है। राजपलायम रोड पर स्थित पेरिया कुलम कनमई के तट पर एक गोलाकार कुएं के आकार का जलसेतु है, जिसे 'सात-आंखों वाला जलसेतु' कहा जाता है। यह जलसेतु

पांड्य राजवंश के दौरान 7वीं शताब्दी में निर्मित हुआ था। इसमें 7 चैनल हैं, जो पानी की गति को नियंत्रित करते हैं। इस जलसेतु के बीच में एक स्तंभ है, जिस पर तमिल लिपि में एक शिलालेख है। इसके पीछे गणेश की एक उभरी हुई मूर्ति और शीर्ष पर गजलक्ष्मी की मूर्ति स्थित है। शिलालेख के अनुसार, इस जल मंदिर का निर्माण आध्यात्मिक बुजुर्ग शंकरमुरी अरुलाकी ने किया था। श्रीविल्लिपुथुर महासभा ने श्रद्धांजलि के रूप में इस जल मंदिर को 'अरुलाकी मताई' के रूप में उल्लेखित किया। इसके अलावा, पेरिया कुलम कनमई का उल्लेख पारंगुसा पुत्तूर पेरेरी और श्रीविल्लिपुथुर के विल्लीपुत्तूर के रूप में किया गया है।

क्या आपने पी है इतनी महंगी चाय एक कप चाय की कीमत 1 लाख रु

हमारे देश में सबसे ज्यादा लोग चाय कॉफी के शौकीन हैं। कई लोग तो दिनभर में कई कप चाय पी जाते हैं। चाय कॉफी ऐसे ड्रिंक्स होते हैं, जिससे व्यक्ति काफी रिफ्रेशिंग महसूस करता है। वहीं ये सस्ते भी होते हैं, तो हर कोई अफोर्ड कर सकता है। कई जगहों पर महंगी चाय भी मिलती है। सड़क किनारे चाय की थड़ी या दुकान पर आपको एक कप चाय 10 से 20 रुपए तक की मिल जाती है। अगर आप किसी बड़े रेस्टोरेंट या होटल में जाएंगे तो एक कप चाय की कीमत 50 से 100 रुपए तक की भी हो सकती है। लेकिन आज हम आपको जिस चाय के बारे में बताने जा रहे हैं, उसे पीना हर किसी की बात नहीं। इसकी वजह है इस चाय की कीमत। हम आपको ऐसी चाय के बारे में बताएंगे, जो एक लाख रुपये खर्च करने के बाद मिलती है। सुनकर हैरान मत होइए, यह सच है कि इसकी एक कप चाय की कीमत वाकई एक लाख रुपए है। आप सोच रहे हैं होंगे कि ऐसा इसमें क्या है जो एक लाख रुपये की एक कप चाय मिल रही है। जानते हैं इस चाय में क्या विशेषता है।

आप यही सोच रहे हैं कि यह चाय सोने की है और इसे पिलाया चांदी के बर्तन में जा रहा है। दरअसल, दुबई के एक कैफे में ये चाय सर्व की जा रही है। इस चाय का नाम 'गोल्ड कड़क' है। बोहो कैफे में ये चाय भारतीय मूल की सुचेता शर्मा के दिमाग की उपज है। इस स्पेशल चाय में सोने की एक शीट डाली जाती है। वहीं इस चाय को चांदी के बर्तन में सर्व किया जाता है। खास बात यह है कि इसके साथ जो क्रोसों आपको मिलता है, उसमें भी गोल्ड डस्टिंग होती है। साथ ही आप चाय पीने के बाद चांदी के बर्तनों को अपने साथ ले जा सकते हैं। सोशल मीडिया इस चाय के चर्चे हैं। लोग इस पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूज़र का कहना है कि ये तो सिर्फ पैसे की बर्बादी है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि ये चाय पीने के लिए तो ईएमआई लेनी पड़ेगी।

मप्र में कानून-व्यवस्था हो चुकी है ध्वस्त : कमलनाथ

» पूर्व सीएम बोले- दलित और आदिवासियों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध करे मोहन सरकार

» दलित युवक की हत्या को लेकर कांग्रेस ने खड़े किए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में दलित युवक नारद जाटव की हत्या मामले में प्रदेश में सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस प्रदेश सरकार पर सुरक्षा व्यवस्था में नाकाम रहने का आरोप लगा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से प्रदेश में दलित और आदिवासियों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध करने की मांग की है। वहीं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मध्य प्रदेश में जंगल राज बताया है।

गौरतलब है कि इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर करते हुए कांग्रेस ने प्रदेश सरकार को घेरा है। उसका आरोप है कि भाजपा ने प्रदेश में जंगलराज की अति कर दी है और आम आदमी बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने भाजपा के शासन में दबंगों के हौसले बढ़ रहे हैं और दलित तथा आदिवासियों के अत्याचार छीनना उनकी आदत बन गई है। दुर्भाग्य की बात है मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव इस तरह के विषयों पर कुछ भी कहने से बचते हैं और दलितों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं। मैं मुख्यमंत्री मोहन यादव से मांग करता हूं कि प्रदेश में दलित और आदिवासियों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए जाएं।

दलित परिवारों पर लगातार बढ़ रहा अत्याचार : जीतू पटवारी

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा है कि 'भाजपा का राज आज दलितों के लिए शोषण और अत्याचार का पर्याय बन चुका है। 21वीं सदी में भी मेरे दलित परिवारों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं। प्रदेश के गृहमंत्री विदेश में छुट्टियां मना रहे हैं, और यहां उनके संरक्षण में पनप रहा माफिया मेरे दलित परिवारों पर हर रोज़ अत्याचार के नए क़िस्से लिख रहा है।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने भी साधा निशाना

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव ने एक्स पर दबंगों की पिटाई का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि मप्र दलितों-आदिवासियों की कब्रगाह बन गया है। लॉ एंड आर्डर वेंटिलेटर पर है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दलितों पर अत्याचार के मामले में मप्र तीसरे स्थान पर है, शिवपुरी जिले के ग्राम इंदरगढ़ में दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया, जहां दबंगों ने दलित नारद जाटव को पीट पीटकर मौत के घाट उतार दिया।

कांग्रेस का अति आत्मविश्वास ले डूबा : अंबादास दानवे

» बोले- उद्धव का नाम सीएम के तौर पर पेश किया जाता तो नतीजे अलग होते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र चुनाव में करारी हार के बाद एमवीए में सब ठीक चलता नहीं दिख रहा है। जहां कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया, वहीं अब शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस पर ही हार का ठीकरा फोड़ा है। हालांकि संजय राउत ने कहा है उद्धव सेना महाविकास अघाड़ी से अलग नहीं होगी। पर कुछ नेता उनसे इतर कह रहे हैं कांग्रेस की वजह से उन्हें नुकसान हुआ है। यूबीटी नेता अंबादास दानवे ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस के अति आत्मविश्वास ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में महा विकास अघाड़ी के प्रदर्शन को नुकसान पहुंचाया है। मुंबई में दानवे ने कहा कि लोकसभा चुनावों के बाद कांग्रेस हर उस जगह अति आत्मविश्वास में थी, जहां उसने चुनाव लड़ा था।

उन्होंने कहा कि यह सच है कि कांग्रेस अति आत्मविश्वास में थी। लोकसभा चुनावों के बाद, जहां भी चुनाव हुए- चाहे वह हरियाणा हो, जम्मू और कश्मीर हो या महाराष्ट्र उनका अति आत्मविश्वास साफ दिखा। राहुल गांधी और कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों के दौरान कड़ी मेहनत की और इंडिया ब्लॉक ने भी नतीजे देखे, लेकिन वो इस बार अति आत्मविश्वास में थे।शिवसेना (यूबीटी) नेता ने यह भी बताया कि महा विकास आघाड़ी आखिरी दिन तक सीट बंटवारे की बातचीत में उलझी रही। अंबादास दानवे ने कहा कि हम आखिरी दिन तक सीट बंटवारे पर चर्चा में उलझे रहे, जबकि उन दिनों को जनता से बातचीत में बिताना चाहिए था। दानवे ने आगे जोर देकर कहा कि अगर उद्धव ठाकरे का नाम मुख्यमंत्री के तौर पर पेश किया जाता, तो नतीजे अलग होते। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद के लिए उद्धव ठाकरे का नाम आगे किया जाना चाहिए था। अगर उन्हें शुरू से ही सीएम उम्मीदवार के तौर पर पेश किया जाता, तो नतीजों में काफी बदलाव आ सकता था।

हार के बाद एमवीए में दरार!

उपचुनाव के परिणाम पर कांग्रेस को करना होगा मंथन : पायलट

» बोले- भाजपा ने पूरा सरकारी तंत्र लगाकर जीता चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा है कि राज्य की सात सीटों पर हुए उपचुनावों के नतीजे कांग्रेस के पक्ष में नहीं रहे, इसका मंथन करेंगे। पायलट ने दौसा से कांग्रेस के टिकट पर उपचुनाव जीते दीनदयाल बैरवा के साथ आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह बात सही है कि उपचुनावों में जो परिणाम पूरे प्रदेश में आये वो हमारे पक्ष में नहीं रहे, उसका भी मंथन करेंगे कि आगे क्या करना है। दौसा निर्वाचन क्षेत्र से जो पार्टी की जीत हुई उसका श्रेय दौसा की जनता को जाता है।

पायलट ने कहा कि दौसा विधानसभा क्षेत्र के लिये जो भी संघर्ष करना होगा वो हम सब मिलकर करेंगे। इस क्षेत्र ने दशकों तक हम सब का सहयोग किया,पार्टी का गढ़ रहा और सब लोगों ने वास्तव में साबित किया है कि देश में जो नाम दौसा का है और कांग्रेस से जुड़ा हुआ है, उसकी जड़ें कितनी मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय अगर पार्टी के नेता और कार्यकर्ता सब एकजुट नहीं रहते तो यह चुनाव इतना आसान नहीं था।

राजनीतिक कारणों से लाया गया वक्फ बिल

» बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का केंद्र पर निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक देश के संघीय ढांचे पर हमला है। उन्होंने दावा किया कि यह बिल मुसलमानों के अधिकार छीन लेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र ने इस बिल पर हमसे सलाह नहीं ली। यह बिल मुसलमानों पर हमला है और हम इसका समर्थन नहीं करते। हम इसका विरोध करेंगे। गैर-मुसलमानों सहित विभिन्न समुदाय वक्फ संपत्तियों के लिए दान देते हैं और धन का उपयोग कल्याण और विकासात्मक कार्यों, जैसे स्कूल स्थापित करना, घर बनाना, छात्रवृत्ति देना आदि के लिए किया जाता है।

ममता ने साफ तौर पर कहा कि वक्फ विधेयक से मुसलमानों के अधिकार छीन लिए जाएंगे। मुझे ऐसा लगता है (बिल) राजनीतिक कारणों से किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर किसी धर्म पर हमला हुआ तो वह पूरे दिल से इसकी निंदा करेंगी। विपक्षी दलों ने मौजूदा वक्फ अधिनियम में विधेयक द्वारा प्रस्तावित संशोधनों की कड़ी आलोचना की है तथा आरोप लगाया है कि ये संशोधन मुसलमानों के धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दावा किया है कि संशोधन से वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता आएगी और वे जवाबदेह बनेंगे। इस विवादास्पद विधेयक की जांच के लिए एक संसदीय समिति गठित की गई है।

केंद्र को इस मामले पर राज्यों से बात करनी चाहिए थी

मुख्यमंत्री ने कहा कि वक्फ मामलों को ब्रिटिश काल में 1934 में एक अधिनियम के तहत लाया गया था और आजादी के बाद इसमें संशोधन किया गया तथा 1995 में एक और संशोधन किया गया था। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आठ अगस्त 2024 को लोकसभा में विधेयक पेश किया था, जिसका मुख्य उद्देश्य इसमें संशोधन करना था। मेरा मानना है कि अगर यह कानून बन गया तो वक्फ खत्म हो जाएगा। केंद्र को इस मामले पर राज्यों से बात करनी चाहिए थी, क्योंकि केंद्रीय वक्फ बोर्ड की तरह राज्य निकाय भी है। और यह एक अर्ध-न्यायिक निकाय है।

चैम्पियन ट्रॉफी पर आईसीसी की बैठक आज

» हाइब्रिड मॉडल पर होगी चर्चा, पाकिस्तान नहीं है इसके लिए तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर क्रिकेट की वैश्विक संस्था आईसीसी की शुक्रवार को अहम बैठक होगी। इसमें टूर्नामेंट के कार्यक्रम को लेकर चर्चा होगी। बीसीसीआई ने कुछ दिनों पहले आईसीसी को बताया था कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेजेगा। इस टूर्नामेंट की मेजबानी पीसीबी के पास है। भारत का कहना है कि पिछली बार हुए एशिया कप की तरह चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन भी हाइब्रिड मॉडल की तर्ज पर हो, लेकिन पाकिस्तान इसके लिए तैयार नहीं है।

वर्चुअल तरीके से होने वाली इस बैठक में कार्यक्रम को लेकर हल निकलने की संभावना है। इस बीच, पीसीबी ने हाइब्रिड मॉडल की चर्चाओं के बीच इस पर अपना रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने बैठक से पहले आईसीसी को सूचित कर दिया है कि उसे हाइब्रिड मॉडल स्वीकार नहीं है। पीसीबी ने साथ ही आईसीसी से बैठक के दौरान हाइब्रिड मॉडल के विकल्प पर चर्चा नहीं करने के लिए कहा है। दूसरी ओर, आईसीसी के सदस्य पीसीबी को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के बिना चैंपियंस ट्रॉफी की चमक फीकी पड़ जाएगी और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे बड़े पैमाने पर वित्तीय नुकसान होगा। टूर्नामेंट के मुख्य प्रसारक ने पहले ही आईसीसी के शीर्ष अधिकारियों से संपर्क कर कार्यक्रम के बारे में अंतिम निर्णय पर पहुंचने में हो रही देरी पर अपनी निराशा व्यक्त की है।

सिद्धार्थ कौल ने लिया क्रिकेट से संन्यास

नई दिल्ली। विराट कोहली और रवींद्र जडेजा के साथ 2008 अंडर-19 विश्वकप विजेता टीम के सदस्य रहे तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने गुरुवार को क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। उन्होंने हालांकि विदेशी लीग में खेलने का विकल्प खुला रखा है। कौल ने 2018-19 के बीच भारत के लिए तीन वनडे और इतने ही टी20 मुकाबले खेले हैं। इतना ही नहीं वह आईपीएल का भी हिस्सा रहे हैं और उन्होंने दिल्ली डेयरडेविल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया है। पंजाब के रहने 34 वर्षीय इस तेज गेंदबाज ने सोशल मीडिया के जरिये संन्यास की घोषणा की। कौल ने एक्स पर लिखा, अब भारत में अपने करियर को खत्म करने और संन्यास की घोषणा करने का समय आ गया है। मैं भगवान को मेरे लिए बनाए गए मार्ग के लिए, प्रशंसकों को अंतहीन समर्थन के लिए, मेरे माता-पिता और परिवार को उन बलिदानों और आत्मविश्वास के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

मुंबई से दिल्ली बातचीत का दौर, महायुति को नहीं मिल रहा सियासी ठौर

बीजेपी, शिवसेना व एनसीपी में सीएम पद को लेकर फंसा पेंच

बोले- दिल्ली से लिए जा रहे महाराष्ट्र के फैसले

» संजय राउत का एनडीए पर वार, बीजेपी का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महायुति में बैठकों के दौर पर दौर हो रहे नजीजे का ठौर नहीं मिल रहा है। मुंबई से लेकर दिल्ली तक भाजपा, शिवसेना, एनसीपी के दिग्गज नेता मिल रहें हैं हर तरह की खबरें आर ही हैं पर मुख्यमंत्री के नाम पर पेंच फंसता दिख रहा है। उधर इस देरी पर उद्धव सेना एकनाथ शिंदे पर जोरदार हमला कर रही। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र से जुड़ी सारी बातें दिल्ली में तय होंगी।

एकनाथ शिंदे और अजित पवार को अपने मुद्दे रखने के लिए बार-बार दिल्ली आना होगा। देवेंद्र फडणवीस या एकनाथ शिंदे - महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? यह सवाल राजनीतिक पंडितों और महाराष्ट्र के मतदाताओं के दिमाग में तब से है जब से 23 नवंबर को राज्य के विधानसभा चुनाव के नतीजे आए हैं। महायुति गठबंधन जल्द ही महाराष्ट्र के कार्यवाहक सीएम शिंदे, देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार और केंद्रीय मंत्री अमित शाह के नाम की घोषणा कर सकता है। ज्ञात हो कि भाजपा नेता देवेन्द्र फडणवीस, शिवसेना के एकनाथ शिंदे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर कैबिनेट बंटवारे पर चर्चा की। फडणवीस और पवार के साथ बैठक से पहले शाह और भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा ने शाह के आवास पर शिंदे से मुलाकात की। उन तीनों की मुलाकात करीब बीस मिनट तक हुई।

अजित पवार पर राउत ने कसा तंज

राउत ने कहा कि उन्हें पीएम और अमित शाह की बात माननी होगी। वह (अजित पवार) हमेशा डिप्टी सीएम थे और वह डिप्टी सीएम ही बनेंगे। लोकसभा चुनाव के बाद उनके चेहरे की जो चमक गायब हो गई थी, वह अब लौट आई है, यह ईवीएम का कमाल है। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि 3 मूर्ति मंदिर बनना चाहिए, बीच में ईवीएम, एक तरफ पीएम और दूसरी तरफ अमित शाह। अब इसको लेकर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है।

शिंदे, अजित व फडणवीस से शीर्ष नेतृत्व ने की चर्चा

राज्य में सत्ता-साझाकरण समझौते पर चर्चा करने के लिए महायुति की बैठक से पहले, शिंदे ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की। मुंबई से आए शिंदे सीधे शाह के कृष्ण मेनन मार्ग स्थित आवास पर पहुंचे, जहां भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा पहले से ही मौजूद थे। शिंदे के एक करीबी सहयोगी ने गुरुवार को कहा कि नई सरकार में उनके उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार करने की संभावना नहीं है। हालांकि, शिवसेना के विधायक और प्रवक्ता संजय शिरसाट ने कहा कि शिंदे कैबिनेट का हिस्सा होंगे। शिरसाट ने पीटीआई से कहा, उनके उपमुख्यमंत्री बनने की संभावना नहीं है। यह उस व्यक्ति के लिए शोभा नहीं देता जो पहले ही मुख्यमंत्री रह चुका है। शिंदे के सांसद बेटे श्रीकांत शिंदे ने व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा पर सामूहिक शासन को प्राथमिकता देकर गठबंधन धर्म का उदाहरण पेश करने के लिए अपने पिता पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने पीएम मोदी और अमित शाह में विश्वास बनाए रखने और महाराष्ट्र की जरूरतों को अपनी राजनीतिक आकांक्षाओं से ऊपर रखने के लिए अपने पिता की सराहना की। चुनावी जीत के बाद, एकनाथ शिंदे ने संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार मंगलवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शिंदे से नई सरकार के गठन तक कार्यवाहक भूमिका में बने रहने का अनुरोध किया।

अपनी शिवसेना (यूबीटी) की ज्यादा चिंता करें राउत : भाजपा

बीजेपी सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि संजय राउत को अपनी शिवसेना (यूबीटी) की ज्यादा चिंता होनी चाहिए। खुद कांग्रेस के लोग कह रहे हैं कि संजय राउत ही हैं जिन्होंने कांग्रेस और शिवसेना दोनों के लिए मुसीबत खड़ी कर दी है। उनके बयानों को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। महायुति एकजुट है, हमने एक साथ चुनाव लड़ा और अगले 5 वर्षों तक एकजुट होकर महाराष्ट्र पर शासन करेंगे।

कुंतल घोष को सुप्रीम कोर्ट से जमानत

» पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में आरोपी हैं टीएमसी नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले आरोपी टीएमसी नेता कुंतल घोष को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। सीबीआई मामले में कुंतल घोष को जमानत मिली है। निचली अदालत कुंतल घोष की जमानत की शर्तें तय करेगी। ईडी मामले में कुंतल घोष को हाईकोर्ट से पहले ही जमानत मिल चुकी है।

कोर्ट ने कहा कि गवाहों की संख्या ज्यादा है, ट्रायल पूरा होने में काफी वक्त लगेगा इसलिए अनिश्चित समय तक जेल में रखना न्यायोचित नहीं होगा। जस्टिस सूर्यकांत ने फैसला सुनाते हुए कहा कि सीबीआई ने पेश किया है कि आरोपों की प्रकृति के कारण, सीबीआई को ढेर सारे दस्तावेजों और सैकड़ों उम्मीदवारों की जांच करनी होगी जो कथित घोटाले के कथित पीड़ित हैं। पूरक आरोपपत्र दाखिल किए जाएंगे। यह सच है कि आरोपों की प्रकृति और एकत्र किए जाने वाले साक्ष्य की प्रकृति के कारण यह स्वाभाविक है कि एजेंसी को अंतिम पूरक आरोपपत्र दाखिल करने में कुछ और समय लगेगा। निकट भविष्य में ट्रायल के समापन की भविष्यवाणी करना जल्दबाजी होगी। याचिकाकर्ता को अनिश्चित काल के लिए हिरासत में रखना आपराधिक न्यायशास्त्र के सुस्थापित सिद्धांतों के अनुरूप नहीं होगा। याचिकाकर्ता को सशर्त स्वतंत्रता बहाल करके संतुलन बनाया जा सकता है, इस तरह से कि वह जांच में बाधा न डाले। याचिकाकर्ता को अनुमति दी जाती है और याचिकाकर्ता को ट्रायल कोर्ट द्वारा लगाई जाने वाली शर्तों के अधीन जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया जाता है।

यूपी उपचुनाव में जीत हासिल करने वाले बीजेपी विधायकों ने ली शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में नौ विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करने के वाले नवनिर्वाचित विधायकों को शुक्रवार को विधानसभा में शपथ दिलाई गई। सभी को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने शपथ दिलाई। इसके बाद भाजपा विधायक पार्टी कार्यालय पर पहुंचेंगे और उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

जिन नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली उनमें कुंदरकी से रामवीर सिंह, फूलपुर से दीपक पटेल, खैर से सुरेंद्र सिंह, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, कटेहरी से धर्मराज निषाद, मझवां से सुचिस्मिता मौर्य और मीरापुर से रालोद की मिथलेश पाल शामिल हैं।

फोटो: 4 पीएम

गुस्सा लखनऊ के आसफी इमामबाड़े में पाकिस्तान के पाराचिनार इलाके में शिया मुस्लिम के हुए कत्लेआम के विरोध में प्रदर्शन करते शिया समुदाय के लोग।

शिल्पा शेट्टी-राज कुंद्रा के घर व ऑफिस पर ईडी ने मारा छापा

» पोर्नोग्राफी मामले में लिया एक्शन

» मुंबई और यूपी में करीब 15 जगहों पर ली तलाशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी के घर पोर्नोग्राफी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार सुबह छापामारी की। घर के बाद राज कुंद्रा के दफ्तर में भी छापा मारा गया है। इसके अलावा मुंबई और उत्तर प्रदेश में करीब 15 जगहों की तलाशी ली जा रही है। इसके जरिए ईडी मोबाइल एप्लिकेशन और दूसरे माध्यमों से पोर्नोग्राफी के सर्कुलेशन का पता लगा रही है।

राज कुंद्रा पर आरोप हैं कि वो एप हॉटशॉट के जरिए पोर्न कंटेंट लोगों तक पहुंचाते हैं और इसका प्रोडक्शन भी करते हैं। इस एप के मालिक राज कुंद्रा हैं। उनकी ये एप पहले गूगल और एप्पल में उपलब्ध थी, हालांकि 2021 में उनके खिलाफ केस होने के बाद इसे हटा दिया गया था। फरवरी 2021 में मड आईलेंड में पुलिस ने छापा मारा और पोर्न रैकेट का भंडाफोड़ किया। इस केस में टीवी एक्ट्रेस गहना वशिष्ठ का नाम सामने आया। पुलिस को गहना से राज कुंद्रा की कंपनी विहान इंटरप्राइज में काम कर रहे उमेश कामत के बारे में पता चला।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।